समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

दुबई एयरशो मे चंीन के घरेलू जेट C919 की धमाकेदार एंट्री, एशिया के बाहर पहली उड़ान प्रस्तुति

Sanket Morankar Published on 18 Nov 2025

दुनिया के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित विमानन आयोजनों में से एक **दुबई एयरशो 2025** में इस वर्ष कई ऐतिहासिक प्रदर्शन देखने को मिले। इनमें दो प्रमुख आकर्षण थे—चीन के स्वदेशी विकसित जेट **C919** का एशिया से बाहर पहला सार्वजनिक उड़ान प्रदर्शन और अमेरिकी कंपनी **Joby Aviation** के पायलटेड इलेक्ट्रिक eVTOL (इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग) ड्रोन की पहली एयरशो प्रस्तुति। इन दोनों घटनाओं ने वैश्विक विमानन बाजार के बदलते संतुलन की ओर संकेत किया है।

सोमवार, **17 नवंबर 2025** को दुबई एयरशो के उद्घाटन सत्र में चीनी विमान निर्माता **COMAC (Commercial Aircraft Corporation of China)** द्वारा निर्मित **C919 पैसेजंर एयरक्राफ्ट** ने शानदार फ्लाइट डिस्प्ले पेश किया।
यह पहली बार था जब चीन का यह घरेलू मध्यम-दूरी वाला नैरो-बॉडी जेट एशिया से बाहर किसी अंतरराष्ट्रीय एयरशो में सार्वजनिक उड़ान भर रहा था।

C919 का यह प्रदर्शन न केवल चीन के विमानन उद्योग के लिए बल्कि वैश्विक बाजार में प्रवेश की उसकी रणनीति के लिए भी मील का पत्थर माना जा रहा है। अब तक यह विमान मुख्य रूप से चीन के घरेलू रूटों पर ही संचालित हो रहा था, लेकिन दुबई एयरशो में इसके प्रदर्शन ने संकेत दिया कि COMAC अब स्पष्ट रूप से अंतरराष्ट्रीय क्लाइंट्स, विशेषकर मध्य-पूर्व, अफ्रीका और यूरोप के बाजारों पर नज़र बनाए हुए है।

एयरशो में C919 ने टेकेऑफ, शार्प क्लाइंब, लो-पास फ्लाईबाय, और हाई-टर्निंग डिस्प्ले जैसे कई एविएशन मैनेवर पेश किए।
इन प्रदर्शन का उद्देश्य था:

- विमान की स्थिरता और नियंत्रण क्षमता दिखाना
- 160–190 यात्रियों के लिए डिज़ाइन किए गए इसके ऑपरेशनल परफॉर्मेंस पर ध्यान आकर्षित करना
- संभावित खरीदारों और लीज़िंग कंपनियों को COMAC की तकनीकी विश्वसनीयता प्रदर्शित करना

दुबई एयरशो में प्रस्तुति के बाद COMAC के अधिकारियों ने कहा कि C919 अब अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन प्रक्रियाओं और निर्यात अवसरों को तेजी से आगे बढ़ाने को तैयार है।

चीन पिछले एक दशक से विमानन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रहा है। C919 का विकास इसी महत्वाकांक्षा का हिस्सा है। बोइंग 737 और एयरबस A320 जैसे लोकप्रिय जेट्स के विकल्प के रूप में तैयार किया गया यह मॉडल भविष्य में वैश्विक प्रतिस्पर्धा को चुनौती देने वाला माना जा रहा है।

दुबई जैसे रणनीतिक स्थान पर फ्लाइट डिस्प्ले से COMAC चार प्रमुख लक्ष्य साधना चाहती है:

1. **मध्य-पूर्व के उभरते एविएशन मार्केट तक पहुंच**
2. **अफ्रीका और दक्षिण एशिया के लिए निर्यात के रास्ते खोलना**
3. **अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस व लीज़िंग कंपनियों का भरोसा जीतना**
4. **पश्चिमी विमान निर्माताओं पर निर्भरता कम करना**

दुबई एयरशो में सैकड़ों वैश्विक विमानन कंपनियाँ और हजारों संभावित खरीदार मौजूद रहते हैं। ऐसे में C919 का यहां प्रदर्शन करना चीन की रणनीति का एक मजबूत कदम माना जा रहा है।

दुबई एयरशो 2025 ने सिर्फ चीन के C919 को ही अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में नहीं लाया।
अमेरिकी eVTOL निर्माता **Joby Aviation** ने भी एयरशो में इतिहास रच दिया, जब उसने पहली बार **पायलटेड इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ एंड लैडिंग (eVTOL) ड्रोन** का सार्वजनिक उड़ान प्रदर्शन किया।

इस उड़ान में:

- एक प्रशिक्षित पायलट ने ड्रोन को नियंत्रित किया
- इलेक्ट्रिक मोटर्स और वर्टिकल लिफ्ट प्रणाली का प्रदर्शन किया गया
- यात्रियों को ले जाने की इसकी क्षमता को भी उजागर किया गया

Joby के eVTOL को भविष्य की **अर्बन एयर मोबिलिटी (UAM)** का चेहरा कहा जा रहा है।
यह छोटी दूरी के शहर-के-अंदर उड़ानों, एयर टैक्सी सेवाओं और कार्बन-रहित यात्रा के लिए एक नए युग की घोषणा है।

दुबई एयरशो 2025 ने दो अलग-अलग तकनीकी दिशाओं की झलक दी:

1. **C919 जैसे पारंपरिक जेट्स**, जो एयरलाइन उद्योग में वर्चस्व हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं
2. **Joby जैसे eVTOL**, जो नई शहरी उड़ान प्रणालियों के युग की शुरुआत कर रहे हैं

ये दोनों मिलकर विमानन उद्योग को दो हिस्सों में बदल रहे हैं—
एक तरफ अंतरमहाद्वीपीय हवाई यात्रा का आधुनिक रूप, और दूसरी ओर भविष्य के स्मार्ट शहरों का हवाई नेटवर्क।

C919 का दुबई एयरशो में प्रदर्शन चीन की कई रणनीतिक उपलब्धियों का संकेत है:

- **वैश्विक स्वीकार्यता** की दिशा में पहला बड़ा कदम
- घरेलू विमानन तकनीक की **अंतरराष्ट्रीय पहचान**
- चीन की “मेड इन चाइना” एविएशन नीति के तहत **स्वदेशी तकनीक का आत्मविश्वास**
- बोइंग–एयरबस की वैश्विक मोनोपॉली को चुनौती

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में चीन की COMAC कंपनी अंतरराष्ट्रीय बाजार में महत्वपूर्ण हिस्सा हासिल कर सकती है, बशर्ते कि वह वैश्विक प्रमाणन और सपोर्ट सिस्टम की चुनौतियों को सफलतापूर्वक पार कर ले।

दुबई एयरशो 2025 चीन और अमेरिका दोनों के लिए ऐतिहासिक रहा—
जहां चीन के घरेलू जेट **C919 ने एशिया से बाहर अपनी पहली उड़ान प्रस्तुति दी**, वहीं अमेरिका की **Joby Aviation** ने दुनिया को पहली बार **पायलटेड eVTOL ड्रोन उड़ान** दिखाई।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.